S.J.N. Public School

प्रकरण - वाच्य

Class - 10

Sub. Hindi

अध्यापक - श्याम सिंह

मो० नं० 9026617788

Date - 20.5.2020

वाच्य => वाच्य क्रिया का रूपान्तरण है, जिसके द्वारा यह पता चलता है कि वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव मे से किसकी प्रधानता है।

वाच्य के तीन भेद हैं - ① कर्तृ वाच्य ② कर्म वाच्य ③ भाव वाच्य

(i) कर्तृवाच्य => क्रिया के उस रूपान्तरण को कर्तृवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध होता है। यह वाच्य सकर्मक और अकर्मक दोनों से बनता है। - जैसे -
① राम ने दूध पिया। ② सीता गाती है। ③ मैं स्कूल गया।

(ii) कर्मवाच्य => क्रिया के उस रूपान्तरण को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध होता है। यह वाच्य सकर्मक क्रिया से बनता है। जैसे - ① लेख लिखा गया। ② गीत गाया गया। ③ पुस्तक पढ़ी गई।

(iii) भाव वाच्य => क्रिया का वह रूपान्तरण भाववाच्य कहलाता है जिससे वाक्य में भाव की प्रधानता का बोध होता है। यह वाच्य अकर्मक क्रिया से बनता है। जैसे -
① मुझसे चला नही जाता। ② उससे चुप नही रहा जाता ③ सीता से हँसा नही जाता।

गृहकार्य => वाच्य की परिभाषा एवं इसके भेदो को याद करें।